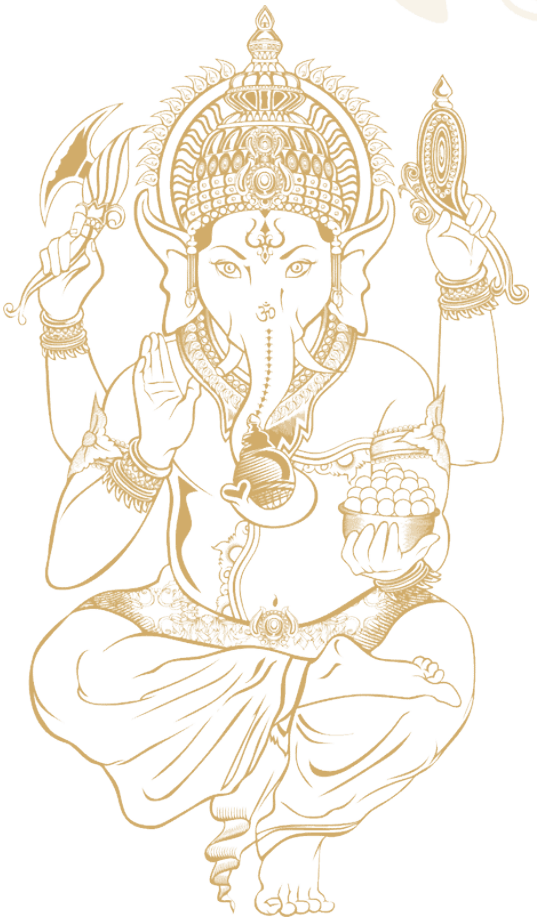

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/01/2000	जन्म तिथि	18/06/2002
शनिवार	दिन	मंगलवार
घंटे 22:40:00	जन्म समय	05:50:00 घंटे
घटी 38:47:50	जन्म समय(घटी)	01:08:39 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Sababad
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	27:26:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:51	सूर्योदय	05:22:55
17:49:56	सूर्यास्त	19:14:55
23:51:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 1वर्ष 3मा 21दि	12:16:34	कन्या	लग्न	मिथु	08:02:40	सूर्य 3वर्ष 3मा 21दि
शुक्र	08:07:43	मक	सूर्य	मिथु	02:43:49	राहु
14/05/2008	28:58:27	कर्क	चंद्र	कन्या	02:38:42	09/10/2022
14/05/2028	20:32:19	कुंभ	मंगल	मिथु	19:32:56	08/10/2040
शुक्र 13/09/2011	12:33:53	मक	बुध	वृष	10:45:03	राहु 21/06/2025
सूर्य 13/09/2012	02:59:10	मेष	गुरु	मिथु	26:13:44	गुरु 15/11/2027
चन्द्र 14/05/2014	03:33:20	धनु	शुक्र	कर्क	09:49:21	शनि 21/09/2030
मंगल 14/07/2015	16:32:17	मेष	शनि	वृष	25:40:37	बुध 09/04/2033
राहु 14/07/2018	09:49:51	कर्क	राहु व	वृष	23:55:36	केतु 28/04/2034
गुरु 14/03/2021	09:49:51	मक	केतु व	वृश्चि	23:55:36	शुक्र 27/04/2037
शनि 14/05/2024	22:06:08	मक	हर्ष व	कुंभ	04:51:31	सूर्य 22/03/2038
बुध 15/03/2027	10:07:34	मक	नेप व	मक	16:46:12	चन्द्र 21/09/2039
केतु 14/05/2028	18:16:32	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	22:06:05	मंगल 08/10/2040

लग्न-चलित

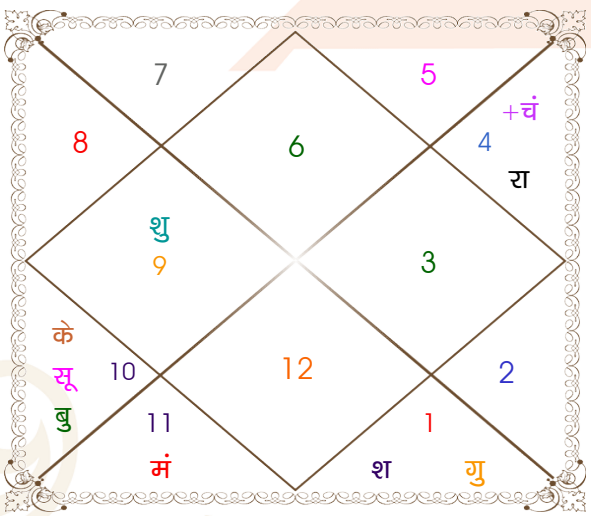

लग्न-चलित

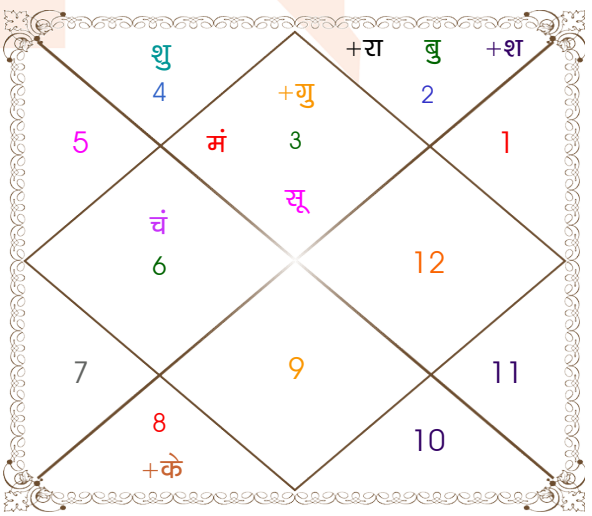

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।